classmate

[Note] 1882 ई०

Economic Geography. ⇒ Gotz महोदय ने आर्थिक भूगोल शब्द का प्रतिपादन किया था

Unit-1. Semester-3. MJC.

TOPIC :- Meaning Scope of Economic Geography.

आर्थिक भूगोल के अर्थ एवं विषयक्षेत्र

* आर्थिक भूगोल ⇒ किसी भी क्षेत्र, जगह, या राज्य में होने वाली आर्थिक गतिविधियों (जैसे कृषि, उद्योग, व्यापार) से होने वाले उत्पाद एवं भौगोलिक वितरण का अध्ययन करता है।

* आर्थिक भूगोल यह जानने में मदद करती है कि आर्थिक गतिविधियां कहाँ होती हैं, क्यों होती है, कैसे की जाती है और उनका समाज व पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है।

परिभाषा -

⇒ प्रो० ग्रिगर के अनुसार - "आर्थिक भूगोल के अंतर्गत इस बात का अध्ययन किया जाता है कि विभिन्न स्थानों पर मानव अपनी प्राकृतिक परिस्थितियों की भिन्नता के साथ किस प्रकार संतुलन स्थापित करता है।"

⇒ मैकफरलेन के अनुसार - "आर्थिक भूगोल के अंतर्गत हम मनुष्य के आर्थिक प्रयत्नों पर भौगोलिक तथा भौतिक परिस्थितियां विशेष रूप से भौगोलिक संरचना, जलवायु तथा भूमि की धरातलीय विशेषताओं के प्रभाव का अध्ययन करते हैं।"

⇒ आर०एन० ब्राउन के अनुसार - "आर्थिक भूगोल वह शाखा है जिसके अंतर्गत मानव की आर्थिक क्रियाकलापों पर पड़ने वाले प्राकृतिक वातावरण के प्रभावों का अध्ययन करते हैं।"

⇒ प्रो० बुकानन के अनुसार :- "आर्थिक भूगोल में मानव की आर्थिक प्रयत्नों का उसके निवास स्थान संबंध में अध्ययन किया जाता है।"

⇒ Alexander ने कहा - आर्थिक भूगोल भूतल पर सम्पत्ति का उत्पादन वितरण, विनिमय, उपयोग से संबंधित मानवीय क्रियाकलाप क्षेत्रीय विभिन्नताओं का अध्ययन किया जाता है।

6 October 2025 at 16:05
Scanned with OKEN Scanner

प्रमुख आर्थिक भूगोल की शाखा

1) कृषि भूगोल – कृषि प्रकार, कृषि कार्य, सिंचाई, भूमि उपयोग
2) औद्योगिक भूगोल – किसी प्रकार के उद्योग, कच्चे माल के लिए वन, कृषि इत्यादि
3) संसाधन भूगोल
4) वाणिज्य भूगोल – किसी देश का व्यापार, परिवहन, व्यापारिक केन्द्रों, सन्देशवाहन इत्यादि के विकास के कारण का अध्ययन किया जाता है।
* यह औद्योगिक भूगोल पर निर्भर होता है।

परिवहन भूगोल इत्यादि

Methods of Studying Economic geography.
आर्थिक भूगोल के अध्ययन की विधियाँ

1) क्रमबद्ध विधि (Systematic Method) • प्रकरण विधि (Topical Method / वस्तुगत विधि Commodity Method भी कहते हैं।
⇒ चावल / गेहूँ / कोयला / कपास की अलग अलग अध्ययन करना।
2) प्रादेशिक विधि – (Regional Method) हट – इस विधि में क्षेत्र विशेष या सम्पूर्ण विश्व को छोटे-छोटे प्रदेशों में विभाजित कर दिया जाता है।
3) सैद्धान्तिक विधि – (Principle Method.) – इस मेथड में किसी भी वस्तु या प्रदेश की विशेषताओं एवं वितरण प्रतिरूप का कुछ पूर्व-निर्धारित सिद्धान्तों के आधार पर अध्ययन किया जाता है।
* इसमें व्याख्या करना होता है।

आर्थिक भूगोल का वर्गीकरण –

1) प्राथमिक आर्थिक क्रियाएं • (रेड कलर वर्कर्स) पशुपालन, कृषि, खनन, मत्स्यपालन
2) द्वितीय आर्थिक क्रियाएं (व्हाइट कॉलर जॉब) / (ब्लू कॉलर जॉब) उद्योग
3) तृतीयक आर्थिक क्रियाएं (पिंक कॉलर वर्कर) वाणिज्य, बैंकिंग
4) चतुर्थ श्रेणी की आर्थिक क्रियाएं (व्हाइट कॉलर वर्कर्स जॉब) • उच्च सेवा - शिक्षा, चिकित्सा
5) पंचम श्रेणी की आर्थिक क्रियाएं – (गोल्ड ~~कलर~~ कॉलर वर्कर्स) न्याय प्रशासन
* बड़े-बड़े शोध संस्थानों में कार्यरत
* अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वित्तीय संस्थानों के उच्चाधिकारी की सेवा

Scanned with OKEN Scanner